



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

उत्तमाधारण,

EXTRAORDINARY,

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)

PART II—Section 3—Sub-section (I)

गोपनीय से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

क्र. 110]

नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 22, 1980/वैशाख 2, 1902

No. 110] NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 22, 1980/VAISAKHA 2, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न पुनी जाती हैं जिससे कि वह असर संकलन के लिए में
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

दिल्ली मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 1980

प्रधिकृतजना

ग्राहक-कर

प्रिय श्री मेहता,

हमने 26 नवम्बर, 1976 को हवाई कम्पनियों को, पारस्परिकता के आधार पर, कर से छूट दिलाने के बारे में पद्धति का अध्यान-प्रदान किया था। इस सम्बन्ध में, संयुक्त राज्य की टिप्पणी के पाठ में 1954 की यथा संशोधित संयुक्त राज्य आंतरिक राजस्व संहिता की धारा 872(बी) (2) तथा 883(ए) (2) में निहित वायुयान पंजीकरण सम्बन्धी घर्ते के बारे में कोई विशिष्ट उल्लेख नहीं है, यद्यपि मन्त्रमय यह था कि टिप्पणी में इन शर्तों को शामिल किया जाए।

इसीलिए हम इस पत्र के माध्यम से संयुक्त राज्य की इस कानूनी अपेक्षा की पुष्टि करना चाहते हैं कि जिस वायुयान के प्रचालन से प्राप्त होने वाली आय पर संयुक्त राज्य के ग्राहक-कर से छूट मिलती है, उसका पंजीकरण भारत में किया जाए, जो कि संयुक्त राज्य में पंजीकृत वायुयान से प्राप्त होने वाली आय के बारे में संयुक्त राज्य अमरीका नियमों तथा भारत में संयुक्त राज्य के प्रनिवासी नागरिकों को समतुल्य छूट प्रदान करता है।

मैं आपका बहुत ध्यान देता हूँ कि आप संयुक्त राज्य अमरीका आंतरिक संहिता की कानूनी अपेक्षा को पूरा करने के निमित्त हम पत्र की पुष्टि करने की कृपा करें।

आपका,

ए०-

(डेविड टी० स्वेनेडर), प्रस्तावी कार्यपूर्त

अद्वैत सरकारी पत्र का० सं० 501/2/74-वि०फ०प्र०

श्री श्री राम मेहता,
प्रध्यायक, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर द्वारा,
दिल्ली मंत्रालय,
नई दिल्ली, भारत।

74 GI/80

27 दिसम्बर, 1976

(459)

श्री राम मेहता, अध्यक्ष इन्डियन प्रत्यक्ष कर बोर्ड
नई दिल्ली, दिनांक २४ दिसम्बर १९७६।

प्रिय श्री स्वनेडर,

भारत सरकार तथा संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच दोनों देशों की अस्तराइटीय हवाई कम्पनियों की आय पर दोहरे कराधान के निवारणार्थ हुए करार के बारे में मैं आपके 27 दिसम्बर 1976 के पत्र को पाखती स्वीकारता हूँ और आपके पत्र के पाठ की पुष्टि करता हूँ जो इस प्रकार है :-

“हमने 26 नवम्बर 1976 को हवाई कम्पनियों को, पारस्परिकता के आधार पर, कर से छूट विलाने के बारे में पत्रों का आदान-प्रादान किया था। इस संबंध में, संयुक्त राज्य की टिप्पणी के पाठ में 1954 की यथा संघोधित संयुक्त राज्य अंतर्रिक्त राजस्व संहिता की धारा 872(बी) (2) तथा 883(ए) (2) निहित वायुयान पंजीकरण सम्बन्धी शर्त के बारे में कोई विशिष्ट उल्लेख नहीं है; यद्यपि मन्तव्य यह था कि टिप्पणी में हम शर्तों को शामिल किया जाए।

“इसोलिए हम इस पत्र के माध्यम से संयुक्त राज्य की इस कानूनी अपेक्षा की पुष्टि करना चाहते हैं कि जिस वायुयान के प्रबालन से प्राप्त होने वाली आय पर संयुक्त राज्य के आयकर से छूट मिलती है, उसका पंजीकरण भारत में किया जाए, जो कि संयुक्त राज्य अमेरिका में पंजीकृत वायुयान के प्रबालन से प्राप्त होने वाली आय के बारे में संयुक्त राज्य नियमों तथा भारत में संयुक्त राज्य के ग्रनिवासी नागरिकों को समतुल्य छूट प्रदान करता है।

“मैं आपका अद्वितीय भारत मानूंगा यदि आप संयुक्त राज्य अमेरिका अंतर्रिक्त संहिता की कानूनी अपेक्षा को पूरा करने के निमित्त इस पत्र की पुष्टि करने की कृपा करें।”

आपका,
इ०/- (श्री राम मेहता)

महामहिम श्री डैविड टी. स्वनेडर,
अस्थायी कार्यपूत,
संयुक्त राज्य अमेरिका वृतावास,
नई दिल्ली।

[फा० सं० 501/2/74-वि० क० प्र०]
जै० सी० फलरा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
NOTIFICATION
INCOME-TAX

New Delhi, the 18th April, 1980

G.S.R. 223(E).—Whereas the Government of India and the Government of the United States of America have concluded an agreement through exchange of letters as set out in the Annexure hereto for the modification of the Agreement entered into by the said Governments, for the avoidance of double taxation of income of enterprises operating aircraft;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 90 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and section 24A of the companies (Profits) Surtax Act, 1964 (7 of 1964) the Central Government hereby directs that the provisions of the said Agreement shall be given effect to in the Union of India.

ANNEXURE
EMBASSY OF THE UNITED STATES OF AMERICA

New Delhi, India

December 27, 1976

Mr. S. R. Mehta, Chairman,
Central Board of Direct Taxes,
Ministry of Finance,
North Block,
New Delhi.

Dear Mr. Mehta,

On November 26, 1976 we exchanged letters concerning a reciprocal airline tax exemption. In this connection the text of the U.S. note does not make a specific reference to the aircraft registration requirement contained in Sections 872(b)(2) and 883(a)(2) of the U.S. Internal Revenue Code of 1954, as amended, though it had been intended that these requirements be covered by the note.

For this reason we wish, by this letter, to confirm the U.S. statutory requirement that the aircraft, income from the operation of which is exempt from U.S. income-tax, be registered in India, which grants an equivalent exemption to U.S. corporations and to U.S. citizens non-resident in India in respect of income from the operation of aircraft registered in the United States.

I would be most grateful if you would kindly confirm this letter so as to meet the statutory requirement of the U.S. Internal Code.

Sincerely,
Sd/-

(David T. Schneider)
Charged' Affairs ad interim
D.O. F. No. 501/2/74-FTD

S. R. Mehta,
Chairman.
Central Board of Direct Taxes

New Delhi, the 29th Dec. 1976.

Dear Mr. Schneider,

This is to acknowledge receipt of your letter dated December 27, 1976, regarding the agreement between the Government of India and the Government of United States of America for the avoidance of double taxation of income of the international airlines of the two countries and to confirm the text of your letter which reads as follows:—

“On November 26, 1976 we exchanged letters concerning a reciprocal airline tax exemption. In this connection the text of the U.S. note does not make a specific reference to

the aircraft registration requirement contained in Section 872(b)(2) and 883(a)(2) of the U.S. Internal Revenue Code of 1954, as amended, though it had been intended that these requirements be covered by the note.

"For this reason we wish, by this letter, to confirm the U.S. statutory requirement that the aircraft, income from the operation of which is exempt from U.S. income-tax, be registered in India, which grants an equivalent exemption to U.S. corporations and to U.S. citizens non-resident in India in respect of income from the operation of aircraft registered in the United States.

"I would be most grateful if you would kindly confirm this letter so as to meet the statutory requirement of the U.S. Internal Code."

Yours sincerely,
Sd/-
(S. R. Mehta)

H. E. Mr. David T. Schneider,
Charge d' Affairs ad interim
Embassy of the U.S.A.
New Delhi.

[F. No. 501/2/74-FTD]
J. C. KALRA, Jt. Secy.

